NH Notes – 14

खापतंत्र के समान/समकक्ष भारत और विश्व में क्या है और क्या नहीं?

इस नोट से बिहार-बंगाल से ले के नुक्कड़-चौराहों पर खड़े 4/5 उत्पातियों/ मनचलों की मनमर्जी के फैसले लेने वाली मंडली को खाप के मत्थे मढ़ने की बीमारी से ग्रस्त मीडिया चाहे तो इस पहलु पर अपनी जानकारी यहां से दुरुस्त कर सकता है कि भारत और यहां तक कि विश्व में खापों के समान अथवा समकक्ष क्या है और कहाँ है/रहा है, और खाप क्या नहीं हैं|

पहले खापतंत्र के समकक्ष पर बात:

1) विदेशों से समकक्ष:

i) 643 में वैधानिक मान्यता पाने वाली खापें 1789 में फ्रांसिसी क्रांति के काल में अस्तित्व में आई "पेरिस कम्यून" (Paris Commune) के समकक्ष संकल्पना है|

ii) ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली "नेबरहुड कोर्ट्स - इनफार्मेशन बेस्ड जस्टिस डिलीवरी सिस्टम" (Neighborhood Courts - Information Based Justice Delivery System) ऐसी ही लोक-अदालतें हैं जैसी कि उत्तरी भारत में खाप पंचायतें| कमी सिर्फ इतनी है कि खापों को अभी तक भी भारतीय सिस्टम से लोक-अदालतों का दर्जा मिलने की दरकार है|

2) भारत में समकक्ष:

i) नागौर-जोधपुर-बीकानेर की स्याना (न्याति) पंचायतें, जो जोहरड (झाझम) नामक दरियों पे बैठ कर जाटों के सामूहिक मुद्दे हल करती हैं|

ii) हिमाचल प्रदेश में पाई जाने वाली देवतंत्र पंचायतें *(जाट समाज में तीन तरह के तंत्र होते आये हैं; देवतंत्र, राजतंत्र और लोकतंत्र)*| देवतंत्र - लोकतंत्र का प्राचीन रूप है, जिसको हिमाचल में अभी भी देवतंत्र के ही नाम से जाना जाता है|

iii) देहरादून-उत्तराखंड में पाई जाने वाली 'जोनसार पंचायतें'|

खापतंत्र क्या नहीं हैं?:

1) दिल्ली के 300 किलोमीटर की परिधि से बाहर व् खासकर पूर्वोत्तर व् दक्षिण में पाई जाने वाली कबीलाई पंचायतें|

2) वो पंचायतें जिनके यहां उनके चबूतरे पर कभी बाबर - सिकंदर लोधी - तुगलक व् रजिया सुल्तान जैसे विदेशी मूल के शासकों ने शीश नहीं नवाएँ| यह गौरव सिर्फ खाप-पंचायतों के मुख्यालय सोरम् ग्राम

जिला मुज़फ्फरनगर को हासिल है| - http://www.nidanaheights.com/choupalhn-khap-vs-sanskriti.html . ताज्जुब है ना कि स्थानीय धर्मस्थलों तक को तोड़ने वाले खापों के आगे शीश नवाते थे!

3) वो पंचायतें जिनका खापों जितना लम्बा-चौड़ा देशभक्ति की लड़ाइयों का गौरवमयी इतिहास नहीं है, वो खापें नहीं हैं| खापों का इतिवृत्त इतिहास - http://www.nidanaheights.com/choupalhn-khap-history.html
4) दिल्ली की 300 किलोमीटर की परिधि के अंदर होने वाली हर वो पंचायत जो किसी खाप प्रतिनिधि के बुलावे "चिट्ठी फाड़ने" की विधि के बिना बुलाई गई हो|

खापों की वास्तविक आचार संहिता व विधिगत वैधानिक कार्य-प्रणाली:

http://www.nidanaheights.com/Panchayat.html

निवेदन: खापतंत्र को मानने वाला, इस तंत्र पर गर्व करने वाला व् इसको आधुनिक बना के आगे चलाने के विचार वाला हर युवक-युवती इस पोस्ट को यथासंभव सोशल मीडिया में फैलाये, ताकि हर अनजान मीडिया बंधू व् सामाजिक विद्वान यहां तक कि कानूनी विद्वान को भी खापों के असली फैलाव क्षेत्र, महत्व व् महानता का पता हो| हालाँकि जिसको शरारत करनी है उसका हल तो सिर्फ उस पर मानहानि का मुकदमा करके के ही किया जा सकता है, लेकिन फिर भी उसको अगर यह याद होगा तो फिर से मीडिया या यथासम्भव माध्यम से ऐसी शरारत करने से पहले अंतर्मन में थोड़ी लानत तो महसूस करेगा| और जब ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश में लोक-अदालतें हो सकती हैं तो फिर भारत के पास तो विश्व की सबसे पुरानी खाप-व्यवस्था है, बस भारतीय संविधान के अनुरूप संसोधन करके इनको कानूनी मान्यता देने की जरूरत है|

संदर्भ:

1) प्रोफेसर राजकुमार सिवाच, समाजशास्त्र - चौधरी देवीलाल विश्वविधालय, सिरसा
2) निडाना हाइट्स - www.nidanaheights.com

लेखक: फूल मलिक

Publisher: Nidana Heights

Date: 28/12/2014